JSSC JHT Exam Practice Paper

पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न: पेपर 1 (वर्णात्मक) और पेपर 2 (वर्णात्मक) दोनों के लिए विस्तृत पाठ्यक्रम और परीक्षा पैटर्न को अच्छी तरह से समझकर शुरुआत करें।

परीक्षा का स्वरुप एवं पाठ्यक्रम

परीक्षा एक चरण (मुख्य परीक्षा) में ली जायेगी। परीक्षा में सभी प्रश्न वर्णात्मक प्रकृति के होंगे। यह दो पालियों में सम्पन्न होगी। प्रत्येक पाली में परीक्षा 2 घंटे की होगी।

Parts	Pattern	Subjects	Marks	Time
Paper – I	Descriptive	Hindi Grammar and Composition, Precis, and Essay	50	2 hrs.
		English Grammar and Composition and Essay	50	
Paper - II	Descriptive	English to Hindi Translation	50	2 hrs.
		Hindi to English Translation	50	

पेपर - 1

समय – 2 घण्टे

पूर्णांक - 100

Set – I

खंड – क (हिन्दी व्याकरण एवं रचना, संक्षेपण)

1. निम्नलिखित अनुच्छेद का संक्षेपण करें। शिर्षक भी अवश्य दें – 10 अंक

विगत दो दशकों में सूचना और संचार तकनीक ने मानव जीवन के प्रत्येक पक्ष को प्रभावित किया है। इंटरनेट, स्मार्टफोन और सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म्स ने भले ही वैश्विक स्तर पर संवाद को सरल बनाया हो, परंतु इसके दुष्परिणामों को नकारा नहीं जा सकता। अब व्यक्ति अपने निकट संबंधों से दूर होकर आभासी दुनिया में अधिक समय व्यतीत करता है। परिवार में बैठकर भोजन करते समय भी लोग मोबाइल में व्यस्त रहते हैं। यह तकनीकी सुविधाएं लोगों को सामाजिक रूप से जोड़ने के बजाय, कई बार मानसिक रूप से अलगाव की ओर ले जाती हैं। एक समय था जब पत्र लिखना, साथ बैठकर बातचीत करना, और एक-दूसरे की भावनाओं को महसूस करना मानवीय संबंधों की आधारशिला हुआ करता था। किंतु अब "टच स्क्रीन" ने "मानव स्पर्श" को पीछे छोड़ दिया है। रिश्तों में स्थायित्व की जगह तात्कालिकता आ गई है। व्हाट्सएप पर 'हाय-हैलो' से रिश्ते बन भी जाते हैं और खत्म भी। यह प्रवृत्ति मनुष्य को एकाकी, संवेदनहीन और यांत्रिक बनाती जा रही है।

हालाँकि यह कहना अतिशयोक्ति न होगी कि तकनीक के सही उपयोग से हम कई समस्याओं का समाधान पा सकते हैं, लेकिन जब यह संबंधों को प्रभावित करने लगे, तब इसकी समीक्षा आवश्यक हो जाती है। आवश्यकता इस बात की है कि हम तकनीक का प्रयोग एक साधन के रूप में करें, न कि उसे अपने जीवन का नियंत्रक बनने दें। तभी हम तकनीक के साथ-साथ अपने मानवीय मूल्यों और संबंधों को भी सुरक्षित रख पाएंगे।

3. निम्नलिखित मुहावरों का अर्थ स्पष्ट करते हुए उनका वाक्यों में प्रयोग करें – 2x5=10 अंक

(A) कागजी घोड़े दौड़ाना

(B) अपना उल्लू सीधा करना

(C) लकीर का फकीर होना

(D) चेहरे पर हवाइयां उड़ना

(E) गेहूं के साथ घुन पिसना

4. निम्नलिखित वाक्यों के शुद्ध रूप लिखिए – 2x5=10 अंक

(A) यह कविता अनेकों भावों को प्रकट करती है।

(B) बाघ और बकरी एक घाट पानी पीती है।

(C) यह काम आप पर निर्भर करता है।

(D) कई 100 वर्षों तक भारत के गले में पराधीनता की बेड़ियां पड़ी रहीं।

(E) उस वन में प्रातः काल के समय बहुत ही सुहावना दृश्य था।

3. निम्नलिखित शब्दों के दो-दो पर्यायवाची लिखिए- 2x5=10 अंक

(A) कपड़ा

(B) सर्प

(C) वृक्ष

(D) यमुना

(E) अश्व

4. निम्नलिखित युग्मों को इस तरह से वाक्य में प्रयुक्त कीजिए कि उनका अर्थ एवं अंतर स्पष्ट हो जाए – 2x5=10 अंक

(A) अलि – अली

(B) कोष – कोश

(C) द्विप – द्वीप

(D) भवन – भुवन

(E) श्वेत – स्वेद

खंड – ख (अंग्रेजी व्याकरण एवं रचना, और निबंध)

पूर्णांक – 50

1. Write an essay in about 300 words on any one of the following: - 10 Marks

(A) A little learning is a dangerous thing

(B) Online Education: Advantages and Disadvantages

(C) Noise Pollution and its implications

(D) India's increasing population – a concern

2. Use the following words, each in a single sentence. Bring out the meaning clearly without changing the form of the word. No credit will be given for a vague or ambiguous sentence. 5x2=10

(A) Abstain

(B) Procrastinate

(C) Redressal

(D) Recluse

(E) Inclusive

3. Use the following idioms/phrasal verbs in sentences, so as to bring out their meaning clearly: 5x2=10

(A) dispose of

(B) to cry wolf

(C) hit upon

(D) put up with

(E) bank on

4. Correct the following sentences without changing their meaning. Do not make unnecessary changes in the original sentence: 5x2=10

(A) The plane arrive at 1530 hours.

(B) You look at though you are distracted.

(C) He has visited Agra. Has he?

(D) I have weep a million tears.

(E) We have more freedom then many kids today.

5. Do as directed: 5x2=10

(A) "I have never had such things.", said Raju to me. Change Narration.

(B) Who has my purse been stolen by? Change Voice

(C) I completed my task. I am now free. Combine these two sentences in one Simple Sentence.

(D) I am as intelligent as she. Change it into Comparative Degree.

(E) Everybody knows it. Give Question Tag.

पेपर - 2

समय – 2 घण्टे

पूर्णांक - 100

अनुवाद खण्ड

(क) निम्नलिखित का अंग्रेजी में अनुवाद करें – 50 अंक

कुटीर उद्योग या लघु उद्योग की चर्चा आज भारत में एक बार पुनः बल पड़ रही है। इस प्रकार के उद्योग धंधों के मूल में ऐसे घरेलू किस्म के छोटे-छोटे काम धंधों की परिकल्पना छिपी है जिन्हें छोटे से स्थान पर थोड़ी पूंजी और श्रम से स्थापित कर कोई भी व्यक्ति उत्पादन का भागीदार बन अपनी रोजी-रोटी की समस्या हल कर सकता है, बेकारी से लड़कर सामान्य स्तर पर अपना जीवन जी सकता है। भारत जैसे देश के लिए इस प्रकार के छोटे उद्योग धंधे ही हितकर हो सकते हैं, यह बात महात्मा गांधी ने स्वतंत्रता संग्राम के दिनों में ही जान ली थी। उन्होंने स्वतंत्र भारत में इस प्रकार की इकाइयां स्थापित करने, परंपरागत उद्योगों का नवीनीकरण करने की प्रेरणा दी थी। पर स्वतंत्रता-प्राप्ति के बाद नेतृत्व ने इस ओर कोई ध्यान नहीं दिया। बड़े-बड़े उद्योग धंधे यहां पनपे और वह भी समर्थ लोगों की निजी संपत्ति बनकर रह गए। इधर बढ़ती जनसंख्या, शिक्षा का प्रचार, जागृति, अधिकारों की मांग और पहचान, बेकारों की निरंतर लंबी होती पंक्तियां - इन सब ने आज के जगरुक चिंतकों को विवश कर दिया है कि देर से ही सही देश की इस प्रकार की बढ़ती समस्याओं से निपटने के लिए गांधीवादी सूत्रों को अपनायें जो कि यहां के आवश्यकता पूरी कर सकते हैं। परिणामस्वरूप आज देश में कुटीर उद्योगों का जाल-सा फैलने लगा है।

(ख) निम्नलिखित का हिन्दी में अनुवाद करें – 50 अंक

In our democratic system, the press has avital role. While there has been large-scale expansion of the print and visual media in recent years, a focused approach to dealing with major societal and political issues has still to evolve. There is, as yet, excessive and exaggerated coverage of exposures and scandals and far too little well-informed comment or analysis of the various deep-rooted factors which generate the continuing malaise. The media could make an extremely useful contribution by devoting adequate coverage to tasks well done, highlighting the achievements of honest and efficient public servants and organizations, according special attention to developments in the remote and backward areas of our country. Our media is free and unfettered. It should be able to expose cases and incidents involving irregular and unlawful exercise of authority and abuses of all kinds. The existing ills in our socio-political environment will, on present reckoning, take considerable time to remedy. The Department of Personnel and Administrative Reforms should focus on establishing institutions responsible for all personnel matters – appointments, postings, transfers etc. – without any external interference. Also, there is a need for adoption of a robust code of ethics to be followed by those involved in public functioning.